तर्ज : इक वो भी दीवाली थी, इक यह भी दीवाली है ..... (नजराना)

निरंकार से मिलाकर जीना हमें सिखाया
बन पाएं आओ हम सब हरदेव जी की छाया

१) छोटा बडा ना देखा बस प्यार ही किया
बख्शे गुनाह सारे स्वीकार ही किया
अपनांए हम सभी को, हो प्रेम ही सरमाया
बन पांए आओ हम.....

२) भटके हुओं को खुद की पहचान मिल गई
हरदेव जी से सबको मुस्कान मिल गई
हर एक ने ही इनको अपने करीब पाया
बन पाएं.....

३) हर स्वास जिन्दगी का ही दान दे दिया
भक्तों के लिए आपने बलिदान दे दिया
उपकार ही किए और कभी भी ना जताया
बन पाएं आओ हम.....

४) मानवता के मसीहा, कामल कर गए
इस मिशन को जहाँ मे बेमिसाल कर गए
भूले ना सबक 'दिलवर' सत्गुरू ने जो सिखाया
बन पाएं आओ हम.....